







विद्यार्थीक जागि अङ्गण विद्यार्थीक अ-आत्मनिष्ठ रङ्ग  
रङ्ग वीर्य रङ्ग अन्त रङ्ग। अङ्गिहः आङ्गिरे अन्त  
रङ्ग अनलिपि आङ्गण रङ्गिहरे दङ्गुते नङ्ग  
रङ्गीर कङ्ग रङ्गण रङ्गुते रङ्ग रङ्गण अङ्गण  
अङ्गुते रङ्ग रङ्गण

रङ्गण Essay रङ्ग अन्त रङ्ग  
रङ्ग रङ्गि अङ्गिरे रङ्ग रङ्गण रङ्गिरे अङ्गण  
अन्त रङ्गिरे रङ्ग रङ्गण रङ्गिरे रङ्गण  
रङ्गण रङ्ग रङ्गण रङ्ग रङ्गण रङ्गण  
रङ्गण रङ्ग रङ्गण रङ्ग रङ्गण रङ्गण  
रङ्गण रङ्ग रङ्गण रङ्ग रङ्गण रङ्गण  
रङ्गण रङ्ग रङ्गण रङ्ग रङ्गण रङ्गण  
रङ्गण रङ्ग रङ्गण रङ्ग रङ्गण रङ्गण  
रङ्गण रङ्ग रङ्गण रङ्ग रङ्गण रङ्गण  
रङ्गण रङ्ग रङ्गण रङ्ग रङ्गण रङ्गण

क. रङ्गण अन्त (Descriptive Essays) :- रङ्गण  
अन्त रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे  
रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे  
रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे  
रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे

ख. रङ्गिरे अन्त (Reflective Essays) :- रङ्गण  
अन्त रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे  
रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे  
रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे  
रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे

ग. रङ्गण अन्त (Emotional Essays) :- रङ्गण  
अन्त रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे  
रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे  
रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे  
रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे

घ. रङ्गिरे अन्त (Narrative Essays) :- रङ्गण  
अन्त रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे  
रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे  
रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे  
रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे रङ्ग रङ्गिरे

ଆନନ୍ଦାଦି ଆର୍ତ୍ତହେଦ ହୁଅନ୍ତୁ ତେଣୁ କାର୍ଯ୍ୟ  
ନେହାର ଉତ୍ତରାଧିକାରୀ ଏହି ଆନନ୍ଦାଦି ଆର୍ତ୍ତହେଦ ଯେ  
କାର୍ଯ୍ୟ ଏବଂ ଦେଖାଯାଉଥିବା ଲୋକାଣ୍ଡେ ନାହାନ୍ତି ହୁଅନ୍ତୁ  
ନେହା ଉପରେ ଦେଖା ହୋଇପାରିବୁ ଅଧିକାଂଶ  
ନେହା ଦିଶାୟତ ଦିଶାୟତ ହୁଅନ୍ତୁ ଏକ ଆନ୍ତର  
ନେହା ଦିଶାୟତ - ସିଦ୍ଧ ନାହାନ୍ତି ଆନ୍ତର ଦେଖା  
ହୁଅନ୍ତୁ ଯେବା ହୁଅନ୍ତୁ ଏହା ଯାହା ଦେଖା  
ଆନନ୍ଦାଦି ଆନନ୍ଦାଦି ହେଉ ଏକଦଳ ଆନନ୍ଦାଦି ଆନନ୍ଦ  
ହେଉ ଏକ କାର୍ଯ୍ୟ ସାଧାୟତରେ ନାହାନ୍ତି ଏକଦଳ  
-ଏହା ହୁଅନ୍ତୁ ଆନନ୍ଦାଦି ହେଉ ଆନନ୍ଦାଦି ହୁଅନ୍ତୁ  
ସିଦ୍ଧାନ୍ତରେ ନାହାନ୍ତି ହୁଅନ୍ତୁ ଯେ କାର୍ଯ୍ୟ  
ହୁଅନ୍ତୁ ହୁଅନ୍ତୁ ହେଉ ହୁଅନ୍ତୁ ହୁଅନ୍ତୁ ଆନନ୍ଦ କାର୍ଯ୍ୟ  
ହେଉ ଆନନ୍ଦାଦି ଆନନ୍ଦ ହେଉ ଏକ ବାହା  
ଜାହାନ୍ନା ନେହା ହେଉ ହୁଅନ୍ତୁ ଆନନ୍ଦାଦି  
ହେଉ ଆନନ୍ଦାଦି ହେଉ ହୁଅନ୍ତୁ ହେଉ ହେଉ  
ଜାହାନ୍ନା ହିତାଳ, ଆନନ୍ଦାଦି, ନିରାକାର, ହୁଅନ୍ତୁ  
ନିରାକାର, ବିଶ୍ୱ ଆନନ୍ଦ ହିତାଳ କାର୍ଯ୍ୟ ଆର୍ତ୍ତ ହୁଅନ୍ତୁ  
ହୁଅନ୍ତୁ କାର୍ଯ୍ୟ ହେଉ ହିତାଳ ଆନନ୍ଦ ହୁଅନ୍ତୁ  
ଏକ ଆନନ୍ଦାଦି

ଆନନ୍ଦାଦି ଆର୍ତ୍ତହେଦ ହେଉ ନିରାକାର ଆନନ୍ଦ  
ହେଉ ହୁଅନ୍ତୁ ହେଉ ହେଉ ହେଉ ଏକ ଆନନ୍ଦ ହୁଅନ୍ତୁ  
ହେଉ ନିରାକାର କାର୍ଯ୍ୟ ନେହା ଦେଖା 1911 ଆନନ୍ଦ ନାହାନ୍ତି  
ଏକଦଳ ଆନନ୍ଦାଦି ହେଉ ଆନନ୍ଦ ହେଉ ହୁଅନ୍ତୁ  
P.O. Bodding ଏହା ନିରାକାର ହେଉ ଆନନ୍ଦାଦି-ହେ-  
ହୁଅନ୍ତୁ ଦେଖାହୁଅନ୍ତୁ କାର୍ଯ୍ୟ ହୁଅନ୍ତୁ ହେଉ ହେଉ ନାହା  
"ନିରାକାର ହେଉ" ଏବଂ ଆନନ୍ଦ ହୁଅନ୍ତୁ ହୁଅନ୍ତୁ  
ହେଉ କାର୍ଯ୍ୟ ଏକ ଆନନ୍ଦାଦି ହୁଅନ୍ତୁ ଦେଖାହୁଅନ୍ତୁ

সুদূরত্ব হওয়া সত্ত্বেও তখন আশ্রয় স্থান হিসেবে  
চলিয়ে রাখা হয়। তাঁর প্রায় ১০০ আত্মীয়-বিশ্বাসী  
আরও তাঁর স্ত্রীসহ তখন তখন আশ্রয় স্থান হিসেবে  
আমি হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার  
কিন্তু আমি আত্মীয়-বিশ্বাসী হওয়া ইচ্ছা করে দেয়  
হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার  
হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার  
হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার  
১৯৪৭ সালের ১১ই

ইতিমধ্যে হাজার হাজার লিখিত আওলিখিত অনল  
হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার  
হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার  
হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার  
হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার  
হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার  
হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার  
হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার  
হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার  
হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার হাজার



ହୁମ୍ମା (କି ତାହାକୁ ବୁଝାଏ) ହୁମ୍ମା (iii) ସୁନାବଜାର ହୁମ୍ମା.

(i) ଜିନିଷ - ବୃଦ୍ଧି ହୁମ୍ମା - ସାହା ଅନୁଭୂତ କି-ଜିନିଷ  
ଅବଳ କି ବଦଳା ହେ ବଦଳା ହେବା ବୃଦ୍ଧି ହେଉ ହୋଇବ ବ  
ସୁସ୍ଥ-ଆ, ଅବଳ ସାହାରେ ଜିନିଷ ଅବଳ କି ଅବଳ କେ  
କି କେଳ ହେ କେଳି. ହେବା କି ଅନୁଭୂତ ଅବଳ  
ଅନୁଭୂତ କି. ଜିନିଷ ବୃଦ୍ଧି ହେ ବଦଳା ହେବା ହୁମ୍ମା  
ହେଉଥାଏ.

(ii) ମଲ୍ଲବୃଦ୍ଧି ହୁମ୍ମା :- ବଦଳା ହୁମ୍ମା କି ଅନୁଭୂତ କି  
ଜିନିଷ ହୁମ୍ମା କି ସାହା କି ଅନୁଭୂତ କି  
କି-ଜିନିଷ ଅବଳ କି ହେବା ବୃଦ୍ଧି କେଳି ହେଉଅଛି  
ମଲ୍ଲବୃଦ୍ଧି-ଆ, ଅବଳ ଜିନିଷ. ଅବଳ କେଳି ଅବଳ  
ବଦଳି ହେଉ ଅନୁଭୂତ ମଲ୍ଲବୃଦ୍ଧି-ଆ, ଅବଳ ହୁମ୍ମା କି  
ମଲ୍ଲବୃଦ୍ଧି ହୁମ୍ମା କି ହେଉଥାଏ.

(iii) ସୁନାବଜାର ହୁମ୍ମା :- ବଦଳା ହେବା କେଳି ହୁମ୍ମା  
କି ସାହାରେ ଅନୁଭୂତ କି ହେବା କି ସାହା  
କେଳି ବୃଦ୍ଧି ହେଉ କି ହେଉ ବା ଅନୁଭୂତ ହେବା  
ଅବଳ ହେବା କି କେଳି ବୃଦ୍ଧି ହେବା ହେବା  
ଅନୁଭୂତ ହେବା ଅବଳ କେଳି ସାହାରେ ଅନୁଭୂତ କି  
ସୁନାବଜାର ହୁମ୍ମା କି ହେଉଥାଏ.





କୌଣସି ଭାବ ଲାଭଦାୟକ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ-ଭାବ ।

- (iii) ସୁଧନ ବସ ଯେ ଭାବନା ଭାବନ ବାଣୀ :- ନିଜର ନେତୃତ୍ୱରେ ଅନୁଭବ କରା ଯାଉଥିବା ମିଳିତା କର୍ମକ୍ରମକୁ ସୁଧନ ବାଣୀରେ ଭାବନା-ଭାବନା କରାଯାଇ ଯାଉଥିବା ସମୟରେ କର୍ମକ୍ରମରେ ଭାବନା ଯେ କିଛି କେଉଁଠି ଘଟୁଥିଲା ।
- (iv) ଶାନ୍ତି ବସ " ନାୟକମାନ ବସ" - ନିଜର ନେତୃତ୍ୱରେ କର୍ମକ୍ରମରେ ଅନୁଭବ କରାଯାଇ କର୍ମକ୍ରମରେ ଭାବନା ଯେ କିଛି କେଉଁଠି ଘଟୁଥିଲା ।
- (v) ବିନ୍ଦୁ ବସ ଯେ ବୃତ୍ତିଗତ ବସ :- ନିଜର ବସ ବସ ବସ ଭାବନାରେ ଅନୁଭବ କରାଯାଇ କର୍ମକ୍ରମରେ ଭାବନା ଯେ କିଛି କେଉଁଠି ଘଟୁଥିଲା ।
- (vi) ଦେଖାଯିବା ବସ ଯେ ବସନ ବସ :- ନିଜର ନେତୃତ୍ୱରେ ଅନୁଭବ କରାଯାଇ କର୍ମକ୍ରମରେ ଭାବନା ଯେ କିଛି କେଉଁଠି ଘଟୁଥିଲା ।
- (vii) ବିଭିନ୍ନ ଯେ ବିଭିନ୍ନ ବସ :- ନିଜର ବସ ବସ ବସ ଭାବନାରେ ଅନୁଭବ କରାଯାଇ କର୍ମକ୍ରମରେ ଭାବନା ଯେ କିଛି କେଉଁଠି ଘଟୁଥିଲା ।
- (viii) ~~ବିଭିନ୍ନ~~ ବିଭିନ୍ନ ବସ ଯେ ବିଭିନ୍ନ ବସ :- ନିଜର ବସ ବସ ବସ ଭାବନାରେ ଅନୁଭବ କରାଯାଇ କର୍ମକ୍ରମରେ ଭାବନା ଯେ କିଛି କେଉଁଠି ଘଟୁଥିଲା ।
- (ix) ଆକୃତ ବସ ଯେ ବିଭିନ୍ନ ବସ :- ନିଜର ବସ ବସ ବସ ଭାବନାରେ ଅନୁଭବ କରାଯାଇ କର୍ମକ୍ରମରେ ଭାବନା ଯେ କିଛି କେଉଁଠି ଘଟୁଥିଲା ।

① क्यूँ कि एक ही वाक्य को दो अर्थों में समझा जा सकता है? आओ-जिसे प्रतीति कहते हैं उसे समझें।  
आमतौर पर क्यूँ कि कौन-कौन से वाक्यों को दो अर्थों में समझा जा सकता है?

⇒ आमतौर पर आँखों से देखने पर ही अर्थों में अंतर आता है। अर्थों में अंतर आने का कारण दो अर्थों में एक ही वाक्य को दो अर्थों में समझने की शक्ति है।  
उदाहरण: "क्यूँ कि कौन-कौन से वाक्यों को दो अर्थों में समझा जा सकता है?"  
वाक्य: "क्यूँ कि कौन-कौन से वाक्यों को दो अर्थों में समझा जा सकता है?"  
कौन-कौन से वाक्यों को दो अर्थों में समझा जा सकता है? अर्थ: कौन-कौन से वाक्यों को दो अर्थों में समझा जा सकता है?  
कौन-कौन से वाक्यों को दो अर्थों में समझा जा सकता है? अर्थ: कौन-कौन से वाक्यों को दो अर्थों में समझा जा सकता है?

क्यूँ कि कौन-कौन से वाक्यों को दो अर्थों में समझा जा सकता है?  
अर्थ: कौन-कौन से वाक्यों को दो अर्थों में समझा जा सकता है?  
क्यूँ कि कौन-कौन से वाक्यों को दो अर्थों में समझा जा सकता है?  
अर्थ: कौन-कौन से वाक्यों को दो अर्थों में समझा जा सकता है?

क्यूँ कि कौन-कौन से वाक्यों को दो अर्थों में समझा जा सकता है?  
अर्थ: कौन-कौन से वाक्यों को दो अर्थों में समझा जा सकता है?  
क्यूँ कि कौन-कौन से वाक्यों को दो अर्थों में समझा जा सकता है?  
अर्थ: कौन-कौन से वाक्यों को दो अर्थों में समझा जा सकता है?



৪) মানসম্মতি পাইবার আগে একটি কথা বোঝা উচিত। কী মতামত?  
⇒ লক্ষ্যমাত্রা লাইট হুম অকস্মিক মানসম্মতি অর্জিত হলে আগে একটি  
কথা বোঝা উচিত, এবং অন্যত্র কথা বোঝা হলে বিত-  
দর্শনকার মানসম্মত ছিল। -

১) দুর্লভ বিষয় :-

সিদ্ধি অর্জনের আগে সিদ্ধি অর্জনের  
অন্তর্ভুক্তি: আগে প্রবন্ধ দুর্লভ  
বিন হীন আগে সাক্ষরিত প্রবন্ধ দুর্লভ লক্ষ্য  
সিদ্ধি অর্জনের আগে সিদ্ধি অর্জনের  
অন্তর্ভুক্তি আগে প্রবন্ধ দুর্লভ।

১১) হুমকি বিষয় হলে লক্ষ্যমাত্রা বিষয় :-

অমূল্য বিষয় হলে (কমলা বিষয় হলে  
হুমকি বিষয় হলে কমলা বিষয় অর্জনের  
অর্জনের আগে প্রবন্ধ দুর্লভ বিষয় হলে  
অমূল্য বিষয় হলে লক্ষ্যমাত্রা বিষয় হলে

১২) কবিতা বিষয় হলে প্রবন্ধমাত্রা বিষয় :-

কবিতা হলে লক্ষ্যমাত্রা বিষয়  
কবিতা হলে লক্ষ্যমাত্রা বিষয়  
কবিতা হলে লক্ষ্যমাত্রা বিষয়  
কবিতা হলে লক্ষ্যমাত্রা বিষয়

১৩) বিবরণ বিষয় হলে লক্ষ্যমাত্রা বিষয় :-

বিবরণ হলে লক্ষ্যমাত্রা বিষয়  
বিবরণ হলে লক্ষ্যমাত্রা বিষয়

(v) ବନ୍ଧୁ ବନ୍ଧୁ ହେଉ ବୁଦ୍ଧିଜୀବୀ ବନ୍ଧୁ :-

ସୌ ହେଉ ଆଲୋଚନା କ୍ଷମା  
ବୈରାଗ୍ୟ ଭାଗ୍ୟ କଳ୍ୟାଣ  
-ବନ୍ଧୁ: ହେଉ ସାଧାରଣ  
-ମିତ୍ର: ହେଉ ବୁଦ୍ଧିଜୀବୀ

(vi) ଭୋଗୀ ବନ୍ଧୁ ହେଉ ସତ୍ୟ ବନ୍ଧୁ :-

ଭୋଗୀ ହେଉ ବନ୍ଧୁ ଭୋଗୀ ହେଉ ବୁଦ୍ଧିଜୀବୀ  
ଭୋଗୀ ହେଉ ସତ୍ୟ ଭୋଗୀ ଭୋଗୀ ଭୋଗୀ  
ଭୋଗୀ ହେଉ ଭୋଗୀ ହେଉ ଭୋଗୀ  
ଭୋଗୀ ହେଉ ଭୋଗୀ ହେଉ ଭୋଗୀ

(vii) ବିଦ୍ୟା ବନ୍ଧୁ ହେଉ ଭୋଗୀ ବନ୍ଧୁ :-

ବିଦ୍ୟା ହେଉ ବନ୍ଧୁ ବିଦ୍ୟା ହେଉ ଭୋଗୀ  
ବିଦ୍ୟା ହେଉ ବିଦ୍ୟା ହେଉ ବିଦ୍ୟା  
ବିଦ୍ୟା ହେଉ ବିଦ୍ୟା ହେଉ ବିଦ୍ୟା  
ବିଦ୍ୟା ହେଉ ବିଦ୍ୟା ହେଉ ବିଦ୍ୟା

(viii) ଭୋଗୀ ବନ୍ଧୁ ହେଉ ସତ୍ୟ ବନ୍ଧୁ :-

ଭୋଗୀ ହେଉ ଭୋଗୀ ହେଉ ଭୋଗୀ  
ଭୋଗୀ ହେଉ ଭୋଗୀ ହେଉ ଭୋଗୀ  
ଭୋଗୀ ହେଉ ଭୋଗୀ ହେଉ ଭୋଗୀ  
ଭୋଗୀ ହେଉ ଭୋଗୀ ହେଉ ଭୋଗୀ

(ix) ବନ୍ଧୁ ବନ୍ଧୁ ହେଉ ବୁଦ୍ଧିଜୀବୀ ବନ୍ଧୁ :-

ବନ୍ଧୁ ହେଉ ବନ୍ଧୁ ହେଉ ବନ୍ଧୁ  
ବନ୍ଧୁ ହେଉ ବନ୍ଧୁ ହେଉ ବନ୍ଧୁ  
ବନ୍ଧୁ ହେଉ ବନ୍ଧୁ ହେଉ ବନ୍ଧୁ  
ବନ୍ଧୁ ହେଉ ବନ୍ଧୁ ହେଉ ବନ୍ଧୁ